Loss to Textile Mills under National Textile Corporation

6488. SHRI S. B. SIDNAL: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the textile mills, working under the control of the National Textile Corporation have shown increased losses during the past years;

(b) the state of losses in each of its mills, year-wise during the last three years; and

(c) the reasons for losses and the measures proposed to improve the situation?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) No, Sir. The overall losses of NTC mills have been progressively declining during the past years. In 1979-80, however, there was a slight reversal of the trend due to inavailability of power and loss of mandays due to labour unrest.

(b) The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

(c) The main reasons for the losses are obsolete machinery, excess labour force, under-utilisation of plant capacity due to power cuts and power trippings. Some of the measures taken and/or being taken to improve the working of the mills are as under:—

(i) Modernisation of the machinery;

(ii) Rationalisation of work load and labour force;

(iii) Bulk procurement of raw material on centralised basis;

(iv) Diversification in the pattern of production; and

(v) Installation of diesel generating sets in some of the units to overcome power shortage.

मध्य प्रदेश में ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा करने वाले पर्यटकों के लिए परिवहन की व्यवस्था

6489. **श्री प्रताप भानु शर्मा :** क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में कौन कौन से महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र हैं और सरकार द्वारा उनके विकास तथा पुनर्निर्माण पर प्रतिवर्ष कितनी धनराशि खर्च की जाती है ;

(ख) क्या इन ऐतिहासिक स्थानों की यात्रा करने हेतु विदेशी और भारतीय पर्यटकों के लिये पर्यटक बसें और मोटर कारें पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में की गई व्यवस्था का पूर्ण ब्यौरा क्या है?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दू लाल चन्द्राकर) : (क) केन्द्रीय और राज्य सरकार द्वारा मध्य प्रदेश में जिन प्रमुख पर्यटक केन्द्रों का विकास किया जा रहा है, वे ये है—खजुराहो, सांची, मांडु, शिवपुरी, उज्जैन, ओरछा, चित्रकूट, भेड़ाघाट, बांधवगढ़, पचमढ़ी, कान्हा, बस्तर, ओंकारेश्वर और अमरकंटक ।

उपर्युक्त पर्यटक केन्द्रों के विकास पर 1977–78 और 1979–80 के बीच किया गया खर्च संलग्न विवरण में दर्शाया गया है ।

(ख) और (ग) कुछ पर्यटक केन्द्रों पर परिवहन सुविधाएं उपलब्ध हैं । अन्य केन्द्रों पर भी पर्याप्त परिवहन सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं ।